University in News on 26 April 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 3 & 6

लविवि के सैनिटाइजर का होगा व्यावसायिक उत्पादन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शनिवार को एक नया इतिहास बनाया। विवि के केमिस्ट्री विभाग द्वारा पिछले माह तैयार किया गया लूसेम सैनिटाइजर का अब व्यापारिक उत्पादन होगा। इसके लिए लविवि ने लखनऊ की एक कंपनी के साथ करार किया है। करार के तहत लविवि को इसकी बिक्री पर रॉयल्टी की प्राप्ति होगी। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि सैनिटाइजर निर्माण के लिए तोरल हर्बल प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ से लविवि ने एमओयू किया है। तोरल हर्बल प्राइवेट लिमिटेड लविवि के रसायन विभाग द्वारा निर्मित लूसेम सैनिटाइजर का निर्माण और उसकी बिक्री करेगा। यह पहला अवसर है जब विवि को व्यवसायिक स्तर पर राजस्व की प्राप्ति होगी। एमओयू हस्ताक्षर करने के लिए लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, केमिस्ट्री विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नवीन खरे तथा कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बदलाव का रास्ता बनाती है समस्या : सौरव

लखनऊ। समस्या बदलाव को रास्ता देती है, अतः आवश्यकता है वैचारिक क्रांति लाने की और इसके लिए राष्ट्रीय सेवा योजना एक उत्तम प्लेटफॉर्म है। ये विचार राष्ट्रीय सेवा योजना के निदेशक सौरव शाह ने शनिवार को ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर में व्यक्त किए। कार्यक्रम में 2755 लोग ऑनलाइन और 250 लोग यूट्यूब के माध्यम से जुड़े। क्षेत्रीय निदेशक अशोक श्रोती ने बताया कि कोविड-19 महामारी संकट के बीच जनता में जागरूकता एवं मानसिक स्वास्थ्य बनाये रखने में किस प्रकार उत्तर प्रदेश की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य संपर्क अधिकारी, उत्तर प्रदेश डॉ. अंशुमाली शर्मा ने इस संकटपूर्ण स्थिति में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किये जा रहे जनसेवा के कार्यों के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना, लखनऊ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राकेश द्विवेदी ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों के कार्यक्रम अधिकारियों एवं वॉलंटियर्स ने भी बड़ी संख्या में प्रतिभागिता की एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया।

NBT Page 4 & 5

'एलयू केम' हैंड सैनिटाइजर की टेक्नॉलजी हुई ट्रांसफर

■ एनबीटी, लखनऊ: लखनऊ यूनिवर्सिटी ने एक माह पहले बनाए हैंड सैनिटाइजर 'एलयू केम' की तकनीकी तोरल हर्बल प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ को ट्रांसफर कर दी है। एलयू के रसायन विभाग का दावा है कि यह सैनिटाइजर 99 फीसदी कीटाणुओं को खत्म करने में सक्षम है। इसमें एल्कोहल, गुलाब जल, डिस्टिल्ड वॉटर और रंग का उपयोग किया गया है। जल्द ही कंपनी उत्पाद को बड़े पैमाने पर बनाने का कार्य शुरू करेगी और बाजार में प्रॉडक्ट भी उपलब्ध होगा।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू के रसायन विभाग ने इस सैनिटाइजर को बनाया था। इसकी बिक्री से एलयू का राजस्व भी बढ़ेगा।

क्वारंटीन मरीजों की काउंसलिंग करेगा एलयू

■ एनबीटी, लखनऊ : एलयू कोरोना से संघर्ष में शासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है। इसी कड़ी में एलयू ने क्वारंटीन में रखे गए मरीजों की काउंसलिंग करवाने का फैसला लिया है। यह ओपन प्रपोजल एलयू वीसी प्रो. अलोक कुमार राय ने शासन और अन्य यूनिवर्सिटीज के साथ हुई विडियो कॉन्फ्रेंसिंग में रखा है। जल्द ही एलयू की साइकॉलजिस्ट टीम प्रदेश भर में क्वारंटीन में रहने वाले लोगों को तनाव, क्रोध और व्यक्तिगत परामर्श जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर काउंसलिंग करेगी। साइकॉलजी विभाग की प्रमुख प्रो. मुधरिमा प्रधान ने बताया कि क्वारंटीन लोगों की काउंसलिंग के लिए शेड्यूल बनाया जाएगा, जिसके हिसाब से शिक्षकों की ड्यूटी लगेगी।

HINDUSTAN Page 10

एलयू करेगा कोविड-19 सैम्पल का परीक्षण

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय अब कोविड-19 का परीक्षण भी करेगा। केजीएमयू से आने वाले सैम्पल का परीक्षण किया जाएगा। विवि प्रशासन का दावा है कि परीक्षण के लिए आवश्यक लैब उनके पास पहले से उपलब्ध हैं। शासन से मदद मिले तो परीक्षण शुरू हो जाएगा।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि उनके पास लैब और आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं। विशेषज्ञों की टीम भी हैं। इसे देखते हुए केजीएमयू से इस सम्बंध में चर्चा की गई। उनकी ओर से भी सहमति मिल गई है। इसमें एक निजी अस्पताल को भी साथ जोड़ने की बात हो रही है। कोविड-19 की टेस्टिंग का खर्च काफी है। मदद के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। करीब 80 लाख के सहयोग की मांग रखी है।

THE PIONEER Page 3

NSS reaches out to youths for mental well-being

PNS ■ LUCKNOW

Under the aegis of Higher Education department, National Service Scheme 'Muskurayega India' is reaching out to youths for mental health problems in lockdown conditions. Officer on special duty (NSS) and state liaison officer Anshumali Sharma said under this project, telephonic counselling is being carried out for mental health issues. He said that 312 NSS programme officers of all 75 UP districts have been trained in telephonic and online counselling.

"NSS is playing a very important role in this time of crisis in reaching out to people in need. NSS programme coordinators of universities have selected five programme officers from each district. The state unit of NSS coordinated with UNICEF and organised online training for programme coordinators and programme officers on various issues being faced by students during lockdown," he said.

He said that sessions on mental health were conducted by the professors of Lucknow University and experts took session on psychological problems. "After the training, a list of 312 train officers and their mobile numbers was prepared and publicised. Over 2,000 students and youths have contacted them throughout the state. They are being counselled by the programme officers regularly and NSS is trying to generate awareness through social media," he said.

He said that volunteers are also engaged in helping district administration by distributing ration to poor and migrant labourers.

"They are helping in doorstep delivery in many districts like Jhansi, Aligarh, Shamli and Sitapur. NSS volunteers are also preparing face masks in large numbers. The aim of this initiative is to bring positivity and well-being in the lives of youth during lockdown. The department of Higher Education has decided that this initiative, started during Covid-19 pandemic will continue to work for students even after the crisis is over," he added.

TOI Page 4

CIMAP & LU join battle against Covid

Times News Network

Lucknow: Central Institute of Medicinal and Aromatic Plants and Lucknow University on Saturday joined the battle against Covid-19 pandemic by deciding to transfer the technology developed by them through research.

CIMAP is inviting entrepreneurs to use its incubation centre for commercial manufacturing of herbal products that help in boosting immunity and fight dry cough.

CIMAP director Prabodh K Trivedi said entrepreneurs can sign MoUs for transfer of technology and use the state-of the art centre for commercial production of two CIMAP products 'CIM Paushak'(immunity booster) and 'Herbal Cough Syrup'.

CIM-Paushak has Punarnava, Ashwagandha, Mulethi, Harad, Baheda and Shatavar among 12 herbs that boost immunity while the cough syrup is effective in cold, throat infection and allergic cough.

On the other hand, in a first, Lucknow University entered into a Technology Transfer Agreement with a private company to begin commercial production of its indigenous sanitiser LU-CHEM designed and launched by chemistry department in March 2020.

"This is the first such instance where the university has moved towards garnering revenue from its research output," said vice-chancellor Prof AK Rai.

AMRIT VICHAR Page 2 & 3

नया कदम | रसायन विज्ञान विभाग को मिली जिम्मेदारी, राजस्व की बढ़ोतरी के साथ रोजगार के भी अवसर

हर्बल सेनिटाइजर तैयार करायेगा एलयू

अमृत विचार लखनऊ

कोविड-19 से लगातार लखनऊ विश्व विद्यालय जंग के बीच अब नया कदम उठाते हुए लोगों तक विश्वविद्यालय ने सस्ता सेनिटाइजर पहुंचाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शनिवार को एक एमओयू साइन किया है।

इस बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ.दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय और तोरल हर्बल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के बीच एमओयू साइन किया गया है। ये कंपनी विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के साथ मिलकर सस्ता सेनिटाइजर तैयार करने में अहम भूमिका निभायेगी। गौरतलब है कि इससे पहले पिछले महीने मार्च में विश्वविद्यालय के रसायन विभाग की ओर से सेनिटाइजर तैयार भी किया गया था।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों के मुताबिक लुखेम सेटिनटाइजर के तैयार करने के पीछे का उद्देश्य है कि लोगों तक कम दामों में इसे पहुंचाया जा सके। मौजूदा समय में बाजार में अलग—अलग मंहगे दामों में सनिटाइजर मौजूद हैं जो आम आदमी की पहुंच से दूर है।

> विश्वविद्यालय में पहली बार सैनिटाइजर के निर्माण किए जाने के लिए कंपनी से एमओयू साइन किया गया है, इस एमओयू के बाद राजस्व में बढ़ोतरी होगी और साथ ही लोगों को रोजगार भी मिलेगा।
>
> -प्रो. आलोक राय, कुलपति लखनऊ

मिलेगा रोजगार, बढ़ेगा राजस्व

विश्वविद्यालय के इस कदम के बाद विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के लिए रोजगार की संभवनाएं भी बढ़ गयी हैं साथ ही विश्वविद्यालय के राजस्व में भी बढ़ोत्तरी होगी। सैनिटाइजर की बिक्री की जिम्मेदारी भी रसायन विज्ञान विज्ञाग की निगरानी में होगी।

पूरी तरह शुद्ध है ये सेनिटाइजर

विश्वविद्यालय की ओर से पिछले माह तैयार किए गये सैनिटाइजर की गुणवत्ता को परखा जा चुका है। जिसमें शुद्धता पायी गयी। अधिकारियों के मुताबिक ये हर्बल होने के कारण किसी को नुकसान को भी नही पहुंचायेगा और हाथो में लगे वैक्टिरिया को भी असानी से खत्म करेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर दे रहे प्रशिक्षण

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने मानसिक स्वास्थ्य तथा अन्य विषय विशेषज्ञों ने सामाजिक, मनोवैज्ञानिक मामलों पर प्रशिक्षण दिया। सभी 312 प्रशिक्षित कार्यक्रम अधिकारियों के नाम और मोबाइल नम्बर प्रसारित किये गये हैं। अब तक पूरे प्रदेश में लगभग 2000 विद्यार्थियों ने इन काउंसलर से समस्याओं का समाधान प्राप्त किया है।

भवन निर्माण में टेक्नोलॉजी जरूरी

लविवि के सिविल इंजीनियिरिंग के छात्रों को मिली जानकारी

अमृत विचार लखनऊ

किसी भी बिल्डिंग का जब हम निर्माण करते हैं तो उसमें टेक्नोलॉजी का बहुत ही अहम रोल होता है। आज विल्डिंग को खड़ा करने से पहले हमें उसके फ्यूचर भी ध्यान देते हुए टेक्नोलॉजी का प्रयोग करना होगा तभी एक कारगर और सुरक्षित बिल्डिंग तैयार होती है। ये जानकारी सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले छात्रों को लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग संकाय की ओर से शनिवार को दी गयी। संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से "बिल्डिंग डिजाइन मे टेक्नोलॉजी की उपयोगिता" विषय पर वेबिनार के माध्यम से छात्रों के सवालों के जवाब भी दिए गये। वेबिनार में एक्सपर्ट राजेन्द्र व अली अंसारी ने अपने अनुभव साझा किए। राजेन्द्र ने ये बताया कि बिल्डिंग डिजाइन में डिजिटल मॉडल्स के 3डी डिजाइन के लिए आधुनिक बीआईएम (बिल्डिंग इनफार्मेशन मॉडलिंग) सॉफ्टवेयर का उपयोग हो रहा है। यह सॉफ्टवेयर भवन का आकर्षक दिखने वाला 3D मॉडल के साथ मेटाडेटा की कई परतें बनाता है और उन्हें एक सहयोगी वर्कफ़्लो के भीतर प्रस्तुत करता है। जिससे बिल्डर्स के लिए बिल्डिंग की डिजाइन समझना बहुत आसान हो जाता है। वहीं अली अंसारी जी ने निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग मे लाए जाने वाले सॉफ्टवेयर्स जैसे-ऑटोकैड 3D, स्टैडप्रो, प्रीमेवरा इत्यादि के कार्यचलन,उनकी महत्ता एवम् उनके मूलभूत अवधारणाओं,सिद्धांतों की जानकारी दी।

साथ ही साथ छात्रों को ये भी बताया कि इन सॉफ्टवेयर्स का निर्माण के क्षेत्रों मे कैसे उपयोग किया जा सकता है और उत्पन्न होने वाली समस्याओं को कैसे कम किया जा सकता है। वेबिनार का आयोजन इंजीनियर जितेंद्र प्रताप सिंह एवं इंजी. गौरव श्रीवास्तव की ओर किया गया।